वर्गीकृत स्थिति (Systematic Position)

Bentham and Hooker (1862)
फेनेरोगेम्स (Phanerogams)
डाइकोटीलीडन्स (Dicotyledones)
पोलीपेटली (Polypetalae)
थैलेमीफ्लोरी (Thalamiflorae)
रेनेल्स (Ranales)
रेननकुलेसी (Ranunculaceae)

Hutchinson (1959)
Angiospermae
Dicotyledonae
Herbacae
Ranales
Ranunculaceae

वितरण (Distribution)—इस कुल में लगभग 35 वंश (genera) तथा 1500 जातियाँ (species) सम्मिलित किये गये हैं। पौधे प्रायः ठण्डे एवं पहाड़ी स्थानों पर उगते हुए पाये जाते हैं। **रेननकुलस एक्वेटिलिस** (*Ranunculus aquatilis*) जलीय जाति है। अधिकतर पौधों से **औषधियाँ** प्राप्त होती हैं।

वर्धी लक्षण (Vegetative Characters)

प्रकृति (Habit)—पौधे प्रायः एकवर्षी (annual) तथा बहुवर्षी (perennial) होते हैं।

जड़ (Root)—प्रायः प्राथमिक जड़ें (primary roots) नष्ट हो जाती हैं तथा उनके स्थान पर अपस्थानिक जड़ें (adventitious roots) निकल आती हैं जो संग्रह कर फूल जाती हैं; जैसे **एकोनिटम** (*Aconitum*) आदि।

तना (Stem)—शाकीय (herbaceous), शाखित (branched), बेलनाकार (cylindrical), ऊर्ध्व (erect) अथवा आरोही (climbing) होता है।

बहुवर्षी (perennial) पौधे में तना, भूमिगत राइजोम (underground rhizome) होता है; जैसे एकोनिटम (*Aconitum*) में तथा कुछ में आरोही (climbing); जैसे **क्लीमेटिस** (*Clematis*) में होता है।

पत्ती (Leaf)—मूलज (radical) अथवा स्तम्भिक (cauline), सामान्यतः एकान्तर (alternate) किन्तु क्लीमेटिस (*Clematis*) में अभिमुख (opposite), सरल (simple), किन्तु **क्लीमेटिस** (*Clematis*) में संयुक्त (compound), अननुपत्री (exstipulate) होती है। **रेननकुलस एक्वेटिलिस** (*Ranunculus aquatilis*) में विभिन्नता (heterophylly) पायी जाती है। इस पौधे की पानी में डूबी हुई पत्तियाँ अत्यधिक कटी-फटी (dissected) होती हैं एवं वायवीय पत्तियाँ पूर्ण (complete) होती हैं। **क्लीमेटिस** (*Clematis*) की संयुक्त पत्तियों के वृन्त (petiole) प्रतानों (tendrils) की भाँति होते हैं, जो पौधे को आधार पर चढ़ाने में सहायक हैं।

क्लीमेटिस एफिला (*Clematis aphylla*) में पूरी पत्ती ही प्रतान में रूपान्तरित हो जाती है तथा प्रकाश संश्लेषण का कार्य हरे तने द्वारा किया जाता है।

Scanned with CamScanner

कुल : रेननकुलेसी

[Family : Ranunculaceae]

(The Butter Cup Family)

वर्गीकृत स्थिति (Systematic Position)

Bentham and Hooker (1862)	*Hutchinson* (1959)
फेनेरोगेम्स (Phanerogams)	Angiospermae
डाइकोटीलीडन्स (Dicotyledones)	Dicotyledonae
पोलीपेटली (Polypetalae)	Herbacae
थैलेमीफ्लोरी (Thalamiflorae)	Ranales
रेनेल्स (Ranales)	Ranunculaceae
रेननकुलेसी (Ranunculaceae)	

वितरण (Distribution)—इस कुल में लगभग 35 वंश (genera) तथा 1500 जातियाँ (species) सम्मिलित किये गये हैं। पौधे प्राय: ठण्डे एवं पहाड़ी स्थानों पर उगते हुए पाये जाते हैं। **रेननकुलस एक्वेटिलिस** (*Ranunculus aquatilis*) जलीय जाति है। अधिकतर पौधों से **औषधियाँ** प्राप्त होती हैं।

वर्धी लक्षण (Vegetative Characters)

प्रकृति (Habit)—पौधे प्राय: एकवर्षी (annual) तथा बहुवर्षी (perennial) होते हैं।

जड़ (Root)—प्राय: प्राथमिक जड़ें (primary roots) नष्ट हो जाती हैं तथा उनके स्थान पर अपस्थानिक जड़ें (adventitious roots) निकल आती हैं जो संग्रह कर फूल जाती हैं; जैसे **एकोनिटम** (*Aconitum*) आदि।

तना (Stem)—शाकीय (herbaceous), शाखित (branched), बेलनाकार (cylindrical), ऊर्ध्व (erect) अथवा आरोही (climbing) होता है।

बहुवर्षी (perennial) पौधे में तना, भूमिगत राइजोम (underground rhizome) होता है; जैसे **एकोनिटम** (*Aconitum*) में तथा कुछ में आरोही (climbing); जैसे **क्लीमेटिस** (*Clematis*) में होता है।

पत्ती (Leaf)—मूलज (radical) अथवा स्तम्भिक (cauline), सामान्यत: एकान्तर (alternate) किन्तु **क्लीमेटिस** (*Clematis*) में अभिमुख (opposite), सरल (simple), किन्तु **क्लीमेटिस** (*Clematis*) में संयुक्त (compound), अननुपत्री (exstipulate) होती है। **रेननकुलस एक्वेटिलिस** (*Ranunculus aquatilis*) में पर्णभिन्नता (heterophylly) पायी जाती है। इस पौधे की पानी में डूबी हुई पत्तियाँ अत्यधिक कटी-फटी (dissected) होती हैं एवं वायवीय पत्तियाँ पूर्ण (complete) होती हैं। **क्लीमेटिस** (*Clematis*) की संयुक्त पत्तियों के वृन्त (petiole) प्रतानों (tendrils) की भाँति होते हैं, जो पौधे को आधार पर चढ़ाने में सहायक होते हैं।

क्लीमेटिस एफिला (*Clematis aphylla*) में पूरी पत्ती ही प्रतान में रूपान्तरित हो जाती है तथा प्रकाश संश्लेषण का कार्य हरे तने द्वारा किया जाता है।

Scanned with CamScanner

पुष्पीय लक्षण (Floral Characters)

पुष्पक्रम (Inflorescence)—शीर्षस्थ (Terminal) अथवा अक्षीय (Axillary), एकल (Solitary) जैसे कि एनीमोन (*Anemone*) में अथवा साइमोज (Cymose), जैसे रेननकुलस (*Ranunculus*) एवं अधिकांश सदस्यों में प्राय: रेसीमोज (Racemose), जैसे डेल्फिनियम (*Delphinium*)।

पुष्प (Flower)—पंचतयी (pentamerous), द्विलिंगी (hermaphrodite), अर्द्ध-चक्रीय (hemicyclic), जायांगधर (hypogynous); सामान्यत: पूर्ण (complete) तथा त्रिज्यासममित (actinomorphic), थैलिक्ट्रम (*Thalictrum*) में पुष्प एकलिंगी (unisexual) होते हैं तथा डेल्फिनियम (*Delphinium*) में बाह्यदलपुंज (calyx) तथा दलपुंज (corolla) एक लम्बा स्पर (spur) बनाते हैं अत: जाइगोमॉर्फिक (Zygomorphic) होता है। पुष्पासन (Thalamus) लम्बा एवं गुम्बद (dome) जैसा होता है।

बाह्यदलपुंज (Calyx)—4-5 बाह्यदल (sepals), स्वतन्त्र (polysepalous), शीघ्रपाती (caducous) अथवा पूर्ण तथा अनुपस्थित, बहुधा दलाभ (petaloid), जैसे डेल्फिनियम (*Delphinium*) में, कोरछादी (imbricate) अथवा कोरस्पर्शी (valvate) बाह्यदल विन्यास (aestivation), बाह्यदल (posterior sepal), स्पर (spur) बनाता है।

दलपुंज (Corolla)—5 अथवा अधिक दल (petals), पृथक्‌दलीय (polypetalous), शीघ्रपाती (caducous) दल विन्यास (aestivation) कोरछादी (imbricate), प्रत्येक दल के आधार पर मकरंद ग्रन्थि पायी जाती है। कुछ पौधों के बाह्यदल (calyx) एवं दल (corolla) एक जैसे होते हैं।

पुमंग (Androecium)—पुंकेसरों (stamens) की संख्या होती है जो कुण्डलित (spiral) क्रम में विन्यस्त (arranged) होते हैं। पृथक् पुंकेसरी (polyandrous), पुंतन्तु (filaments) लम्बे तथा चपटे, परागकोष (anthers) बहिर्मुखी (extrorse) होते हैं।

जायांग (Gynoecium)—अण्डपों (Carpels) की संख्या 1 - ∞ होती है जो कुण्डलित (spiral) क्रम में विन्यस्त (arranged) होते हैं। पृथक् अण्डपी (apocarpous), अण्डाशय (ovary) ऊर्ध्ववर्ती (superior) होता है।

Scanned with CamScanner

बीजाण्डन्यास (Placentation)—सीमान्त (marginal) अथवा आधारी (basal) होता है। लार्कस्पर (*Delphinium*) में एकअण्डपी (monocarpellary), एककोष्ठी (unilocular) अण्डाशय (ovary) होता है।

फल (Fruit)—पुंजफल (Aggregate), एकीन का पुंज (Etaerio of achenes) रेननकुलस (*Ranunculus*), फॉलिकिल का पुंज (Etaerio of follicle) **एकोनिटम** (*Aconitum*), **फॉलिकिल डेल्फिनियम** (*Delphinium*), केप्सूल (capsule) **नाइजेला** (*Nigella*) में तथा कभी-कभी बेरी (berry) होता है।

बीज (Seed)—छोटे तथा तेल युक्त व भ्रूणपोषी (endospermic) होते हैं। भ्रूण (embryo) छोटा होता है। बीजपत्र (cotyledones) अधोभूमिक (hypogeal) तथा भूम्युपरिक (epigeal) होते हैं।

पुष्प सूत्र (Floral Formula)—Br, ⊕, or %, ⚥, K_5, C_5, A_{∞}, $\underline{G}_{\infty}$

कुल का आर्थिक महत्त्व (Economic Importance of Family)

(1) **डेल्फिनियम एजेकिस** (*Delphinium ajacis*)—लार्कस्पर (Larkspur) के पौधे उद्यानों में व घरों में सुन्दरता के लिए लगाये जाते हैं। इनके बीजों से टिन्चर (Tincture) तैयार किया जाता है जिसका प्रयोग जुएँ (Louce) मारने के लिए किया जाता है।

(2) **रेननकुलस एक्वेटिलिस** (*Ranunculus aquatilis*) के पौधे औषधीय महत्व के होते हैं जिन्हें ाठिया, बुखार तथा दमा जैसे रोगों में प्रयोग में लाया जाता है।

(3) **एकोनिटम नेपलस** (*Aconitum nepallus*) की जड़ों से ऐल्केलॉइड्स (alkaloids) प्राप्त होते जिससे एकोनाइट (aconite) औषधि प्राप्त की जाती है।

(4) **एनीमोन पल्सेटिला** (*Anemone pulsatilla*) के पौधे से पल्सेटिला (Pulsatilla) नामक औषधि प्त की जाती है जिसे महिलाओं में मासिक धर्म की बीमारियों में प्रयोग किया जाता है।

(5) **नाइजेला सेटाइवा** (*Nigella sativa*)—काला जीरा (Kala zira) के बीज (seeds) मसाले ondiment) के रूप में प्रयोग में लाये जाते हैं। बीजों से प्राप्त तेल (oil) औषधि के रूप में प्रयोग होता है।

Scanned with CamScanner

एजाकिस या लार्कस्पर (*Delphinium ajacis* or Larkspur)

मूल (Root)—मूसला (Tap), शाखित (branched)।

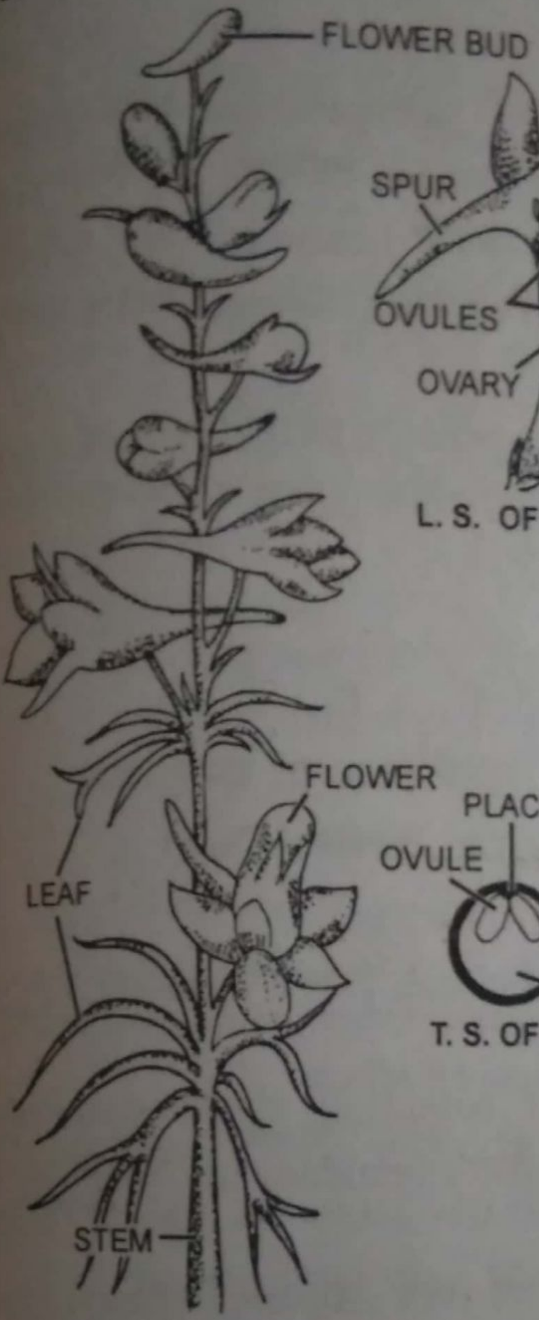

A PORTION OF PLANT

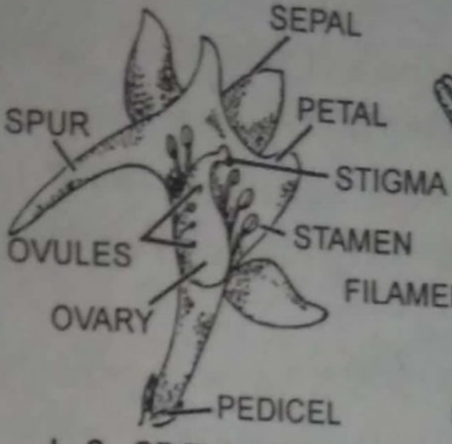

L. S. OF FLOWER

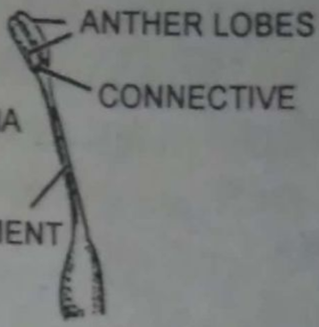

STAMEN

⦶ FLOWER

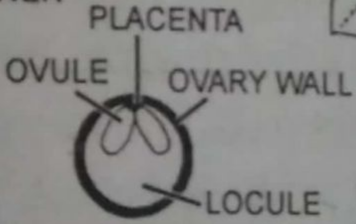

T. S. OF OVARY

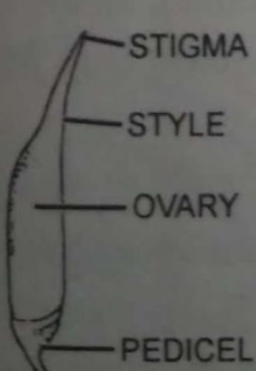

GYNOECIUM

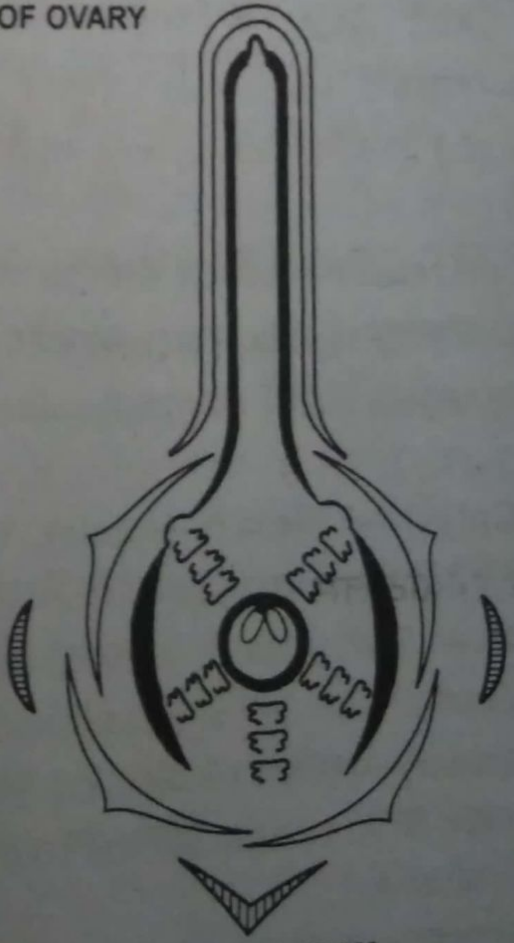

FLORAL DIAGRAM

Scanned with CamScanner